भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
20.08.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 4419 का उत्तर

कोंकण रेलवे से राजस्व सृजन

4419. श्री बी. वाई. राघवेन्द्र:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड (केआरसीएल) के क्षेत्राधिकार में राज्य-वार, विशेषकर महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक और केरल में कितने रेलवे स्टेशन हैं;

(ख) कोंकण रेलवे के मार्ग की लंबाई और वर्तमान में उपयोग में आने वाली परिचालन लाइनों की लंबाई का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) वर्तमान में कोंकण रेलवे मार्ग पर प्रत्येक स्टेशन पर रुकने वाली ट्रेनों की स्टेशन-वार संख्या कितनी है; और

(घ) पिछले पांच वर्षों के दौरान कोंकण रेलवे के अंतर्गत प्रत्येक स्टेशन से वर्ष-वार और स्टेशन-वार कितना वार्षिक राजस्व प्राप्त हुआ है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड (केआरसीएल) की स्थापना 1990 में पाँच शेयरधारकों, अर्थात् रेल मंत्रालय, महाराष्ट्र सरकार, गोवा सरकार, कर्नाटक सरकार और केरल सरकार के साथ हुई थी। कोंकण रेलवे लाइन महाराष्ट्र के रोहा से कर्नाटक के ठोकुर तक फैली हुई है, जो पश्चिमी घाट के दुर्गम इलाकों से होकर गुजरती है।

केआरसीएल के अधिकार क्षेत्र में रेलवे स्टेशनों की राज्यवार संख्या और मार्ग की लंबाई निम्नानुसार है:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	मार्ग लंबाई (किलोमीटर)
महाराष्ट्र	37	381
गोवा	10	106
कर्नाटक	25	252
कुल	72	739

इस समय, कोंकण रेलवे 128 रेलगाड़ियों द्वारा सेवित है। रेल सेवाओं के ठहराव का प्रावधान विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें यातायात औचित्य, परिचालनिक व्यवहार्यता और स्टेशन की कोटि आदि शामिल हैं।

रेलवे स्टेशन कई स्रोतों से राजस्व सृजित करते हैं जिसमें टिकट बिक्री, माल ढुलाई और गैर-किराया राजस्व जैसे विज्ञापन, पार्किंग और अन्य सेवाएं आदि शामिल हैं। पिछले पांच वर्षों के दौरान 18,780 करोड़ रुपए के कुल व्यय की तुलना में अर्जित कुल राजस्व 18997 करोड़ रुपए है जिसमें कोंकण रेलवे के सभी रेलवे स्टेशनों से प्राप्त आमदनी शामिल है। जैसाकि देखा जा सकता है राजस्व से व्यय मुश्किल से पूरा हो पा रहा है।

******